

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

## भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. ज्योतिष क्या है? कर्म सिद्धांत के अनुसार ज्योतिष की विवेचना कीजिए।
2. ज्योतिष एक विज्ञान है। क्या आप इस बात से सहमत हैं? समझाइये।
  - i) आर्यभटीय के लेखक हैं \_\_\_\_\_
  - ii) पंच सिद्धांतिका के रचयिता हैं \_\_\_\_\_
  - iii) भास्कराचार्य ने \_\_\_\_\_ लिखी थी।
  - iv) जातकालन्कार के लेखक हैं \_\_\_\_\_
  - v) सारावली के लेखक हैं \_\_\_\_\_
  - vi) शरत विषुव \_\_\_\_\_ तिथि को होता है।
  - vii) चन्द्रमा \_\_\_\_\_ का उपग्रह है।
  - viii) यूरोपीय खगोल शास्त्री का नाम बताइये जिन्होंने सर्वप्रथम विषुव के चलन को पहचान दी।
  - ix) प्राचीनतम वेद का नाम \_\_\_\_\_ है।
  - x) सर्वार्थ चिंतामणि के रचयिता \_\_\_\_\_ हैं।
4. ज्योतिषी के लिए देश, काल और पात्र की क्या महत्ता है? विस्तार से बताएं।
5. किसी भी व्यक्ति को ज्योतिष का अध्ययन क्यों करना चाहिए? इसकी क्या उपयोगिता है?

## भाग-II (ज्योतिष से सम्बंधित खगोल शास्त्र)

6. निम्नलिखित के मध्य में अंतर बताएं :
  - i) मानक समय और स्थानीय समय
  - ii) सौर दिन और नाक्षत्र दिन
  - iii) सम्पात और अयन
  - iv) अपभु ष उपभु
7. चित्र के द्वारा ऋतु परिवर्तन को समझाएं।
8. सौर मंडल पर संक्षिप्त विवरण लिखिए। भू केन्द्रक और सौर केन्द्रक खगोलीय नियमों को समझाएं।
9. पंचांग किसे कहते हैं? तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समझाएं।
10. राहु और केतु को छाया ग्रह क्यों जाता है? खगोलीय दृष्टि से उत्तर दीजिये।